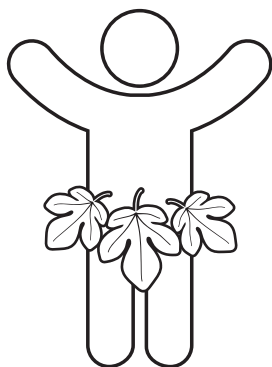


Михаил Калинин

# МЕЧТА О ПРАЗДНИЧНОЙ ОДЕЖДЕ



Москва  
2025

УДК 215

ББК 86.2

К17

Калинин М.

Мечта о праздничной одежде. — М.: ООО Буки Веди, 2025.  
— 100 с.

ISBN 978-5-4465-4469-1

© Михаил Калинин, текст, оформление 2025

Этот сборник — попытка автора высказать свою сокровенную мысль о том, что передача евангельского послания мыслима и осуществима не как заявленная декларация, но как личное свидетельство, объединяющее антропологию и теологию.

В книге использован жанр литературных диалогов и формат короткой прозы.

## **Содержание:**

### **I. НАЙТИ СВОИХ**

|                        |    |
|------------------------|----|
| Урок литературы.....   | 9  |
| Джон Толкин.....       | 18 |
| О. Генри .....         | 21 |
| Льюис Кэрролл.....     | 22 |
| Жюль Верн .....        | 23 |
| Артур Конан-Дойль..... | 23 |
| Марк Твен .....        | 24 |
| Рэй Брэдбери .....     | 25 |
| Федор Достоевский..... | 25 |
| Александр Блок.....    | 27 |

### **II. НУЖДА В ВЕРТИКАЛИ**

|                                          |    |
|------------------------------------------|----|
| Наш Господь.....                         | 29 |
| Лестница Иакова .....                    | 30 |
| Икона или инструкция? .....              | 31 |
| Что есть истина .....                    | 33 |
| Усыновленные камни .....                 | 34 |
| Исцеление расслабленного .....           | 34 |
| Притчи о Царстве .....                   | 35 |
| Притча о почвах .....                    | 36 |
| Трудности перевода.....                  | 36 |
| Не видел того глаз, не слышало ухо ..... | 37 |
| История Адама и Евы .....                | 38 |

|                                               |    |
|-----------------------------------------------|----|
| Выйти неподготовленным.....                   | 38 |
| Песни Песней.....                             | 39 |
| Домашние животные .....                       | 40 |
| Собака Баскервилей и 2-я глава книги Бытия .. | 40 |
| Где ты? .....                                 | 41 |
| Когда пройдет боль? .....                     | 42 |
| Часть и целое .....                           | 43 |
| О чем сообщает пророк.....                    | 44 |
| Творю все новое .....                         | 46 |
| Пять слов.....                                | 47 |
| Вникай в себя.....                            | 48 |
| Преломление хлеба .....                       | 49 |
| Условие для излечения .....                   | 49 |
| Путь домой.....                               | 51 |

### **III. ВЫКЛЮЧИ ИНТЕРНЕТ**

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| Вопрос для блогера.....         | 52 |
| В оффлайне .....                | 55 |
| Когда можно выйти? .....        | 56 |
| Матрица наблюдает за тобой..... | 56 |
| Дух и плоть .....               | 57 |
| Церковные блогеры.....          | 58 |
| Внутренний голос.....           | 59 |
| Зачем ты здесь? .....           | 59 |
| Война и соцсети.....            | 62 |

#### **IV. ЭКЗАМЕН В ОГНЕ**

|                                        |    |
|----------------------------------------|----|
| Кто тебе нужен .....                   | 65 |
| Разговор с больным .....               | 66 |
| Продолжая Хайяма .....                 | 67 |
| Игольное ухо.....                      | 67 |
| Хлеб наш насущный дай нам сегодня..... | 69 |
| Раскаяние и покаяние .....             | 70 |
| Что сказать другому .....              | 70 |
| Опыт слепца.....                       | 71 |
| Город ангелов.....                     | 71 |
| Где мы? Кто мы? .....                  | 72 |
| Правильно поставленный вопрос .....    | 73 |
| Бог и человек .....                    | 75 |
| Тайна немоты .....                     | 76 |
| О свободе .....                        | 76 |
| Внезапно .....                         | 77 |
| Беги, Форест, беги .....               | 77 |
| Вперед и вверх.....                    | 78 |

#### **V. ПОСЕЯННОЕ В НЕМОЩИ**

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| Нет никакой формулы .....       | 79 |
| О предании .....                | 82 |
| Тайна наставничества .....      | 86 |
| Укрощение ума .....             | 87 |
| Простота и остроумие .....      | 88 |
| Смоковница в винограднике ..... | 90 |
| Они всегда рядом.....           | 91 |

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| Ври по-своему.....              | 93 |
| Какой вопрос — такой ответ..... | 93 |
| Что хотел сказать.....          | 94 |
| О псалмах.....                  | 94 |
| Апофатическое богословие .....  | 95 |
| Времена апостолов .....         | 97 |